प्रदर्शनकारी कला विभाग में पपेट्री थिएटर तथा

फिल्म अभिनय की कार्यशालाओं का आयोजन

वर्धा ,दि. 17: महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्‍यालय ,वर्धा के प्रदर्शनकारी कला (फिल्म/रंगमंच) विभाग की और से डॉ. पद्मिनी रंगराजन (हैदराबाद) की ‘पपेट्री थिएटर” तथा डॉ. गीता अग्रवाल-शर्मा (हरियाणा) की ‘फिल्म अभिनय ‘ कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था. इन कार्यशाला का संयोजन डॉ. सतीश पावडे द्‍वारा किया गया

रोजगार तथा व्यवसाय की संभावनाओं की खोज तथा उसके अनुरूप तैयारिया ,इस कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश था. प्रथम सत्र में डॉ.पद्मिनी रंगराजन ने पपेट्री कला के इतिहास पर प्रकाश डाला. उसके पश्च्यात कठपुतलियों के प्रकार ,उसे बनानेका विधि, उसके प्रयोग-उपयोग की प्रक्रिया तथा उसकी रोजगार ,व्यवसाय के रुपमे संभावनाओ को स्पष्ट किया . साथ ही कठपुतली खेल का डेमोंस्ट्रेशन भी दिया. इसी प्रकार डॉ. गीता अग्रवाल शर्माने फिल्मोमें रोजगार तथा व्यवसाय की संभावनाओं की जानकारी दी. तथा फिल्म अभिनय की बरिकियोंको

समजाया. स्क्रीन टेस्ट ,ऑडिशन , साक्षात्कार ,पोर्टफोलियो , फिल्म की अन्य विधाओंमे रोजगार की सम्भावनाये , समय का नियोजन , जनसंपर्क , कार्य संस्कृति आदी से छात्रोंको परिचित करवाया. फिल्म अभिनय के गुर भी छात्रों को सिखलाये.

विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा के मार्ग दर्शन में इस कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था. कार्यशालाओ के संयोजक डॉ. सतीश पावडे ने कहा की,'' छात्रों को रोजगार तथा व्यवसाय की संभावनाओं की जानकारी,सूचना देने के लिए इन कार्यशालाओंका आयोजन किया गया था. फिल्म और पपेट्री दोनों क्षेत्र में अपना करिएर बनाने के लिए छात्र सोच सकते है.उन्हें यह अवसर प्रदान करने के लिए यह कार्यशालाऐ माध्यम बन सकती है.'' इस अवसर पर दीप्ती

ओग्रे ,सचिन पाहवा ,ओमप्रकाश ,भाग्यश्री राउत आदी छात्रोने अपने मनोगत व्यक्त किये.

विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर सुरभि बिप्लव, डॉ .अश्विनी कुमार सिह अभिषेक सिंह ,तकनीकी सहायक डॉ.हिमांशु नारायण आदि उपस्थित थे.